नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

भारत-मलेशिया संबंधों का नया दौर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मलेशिया यात्रा को यदि केवल कूटनीतिक औपचारिकता मान लिया जाए, तो यह इस ऐतिहासिक क्षण के साथ अन्याय होगा. यह दौरा दरअसल भारत और मलेशिया के उन संबंधों का आधुनिक पुनर्पाठ है, जिनकी जड़ें हज़ारों वर्ष पुरानी सभ्यतागत, सांस्कृतिक और व्यापारिक परंपराओं में दबी हुई हैं. अब जब दोनों देश व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नए आयाम दे रहे हैं, तब यह स्पष्ट है कि यह रिश्ता केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि भविष्य की साझा यात्रा का रोड मैप है.

भारत और मलेशिया के संबंध प्राचीन समुद्री व्यापार मार्गों से शुरू होते हैं. तमिल व्यापारी, बौद्ध और हिंदू परंपराएं, श्री विजय साम्राज्य और चोल काल की सांस्कृतिक छाप,ये सभी मलेशिया के सामाजिक ताने-बाने में आज भी दिखाई देते हैं. औपनिवेशिक काल में भारतीयों का श्रमिक और पेशेवर वर्ग के रूप में मलेशिया पहुंचना, और स्वतंत्रता के बाद भारत द्वारा मलेशिया की संप्रभुता का समर्थन, इन संबंधों को राजनीतिक स्थिरता देता रहा है. आज मलेशिया में लगभग 30 लाख भारतीय मूल के लोग इन ऐतिहासिक संबंधों की जीवित कड़ी हैं.

प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा ने इस विरासत को आधुनिक अर्थों में पुनर्परिभाषित किया है. यूपीआई-पे नेट समझौता केवल डिजिटल भुगतान की सुविधा नहीं है, बल्कि यह भारत के फिनटेक मॉडल की वैश्विक स्वीकार्यता का प्रमाण है. यह भारत की सॉफ्ट पावर को दक्षिण-पूर्व एशिया के रोज़मर्रा के जीवन से जोड़ता है. स्थानीय मुद्रा,रुपया और रिंगित,में व्यापार का निर्णय डॉलर-निर्भर वैश्विक व्यवस्था से बाहर निकलने की साझा इच्छा को दर्शाता है और यह संकेत देता है कि उभरती अर्थव्यवस्थाएं अब अपने नियम स्वयं गढ़ना चाहती हैं. रणनीतिक दृष्टि से सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सप्लाई चेन सहयोग इस रिश्ते को भविष्य-केंद्रित बनाते हैं. मलेशिया का तकनीकी अनुभव और भारत की विशाल विनिर्माण क्षमता मिलकर न केवल मेक इन इंडिया, बल्कि मेक फॉर द वर्ल्ड की अवधारणा को बल देते हैं. यह सहयोग ऐसे समय में महत्वपूर्ण है, जब वैश्विक तकनीकी आपूर्ति श्रृंखलाएं भू-राजनीतिक तनावों से जूझ रही हैं.

सांस्कृतिक और शैक्षिक सहयोग इस साझेदारी की आत्मा है. यूनिवर्सिटी मलाया में तिरुवल्लुवर केंद्र की स्थापना भारतीय दार्शनिक परंपरा को वैश्विक संवाद से जोड़ती है, वहीं आयुर्वेद पर शोध सहयोग भारत की पारंपरिक ज्ञान प्रणाली को आधुनिक विज्ञान के मंच पर स्थापित करता है. यह सांस्कृतिक कूटनीति, औपचारिक समझौतों से कहीं अधिक टिकाऊ साबित होती है.

रक्षा और सुरक्षा सहयोग में सुखोई-30 विमानों और स्कॉर्पीन पनडुब्बियों के रखरखाव में भारत की भूमिका यह दर्शाती है कि भारत अब केवल आयातक नहीं, बल्कि भरोसेमंद रक्षा साझेदार बन चुका है. यह आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा को क्षेत्रीय विश्वसनीयता प्रदान करता है. कुल मिलाकर, यह यात्रा भारत-मलेशिया संबंधों में एक नए सवेरे की तरह है,जहां इतिहास की जड़ें गहरी हैं, रणनीति स्पष्ट है और भविष्य की दिशा साझा है. दरअसल,यह साझेदारी दो सरकारों तक सीमित नहीं, बल्कि दो सभ्यताओं के आत्मविश्वास और सपनों का संगम है, जो हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता और सहयोग का नया अध्याय लिख रही है.

वैभव के जलवे से जीता अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप

अभी पूरी तरह से का एक समूह मर्दों में तब्दील हो गया. भारत ने निर्धारित 50 ओवर में 9 विकेट खोकर 411 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था और इंग्लैंड इस लक्ष्य से 100 रन पीछे रह गया, जबकि उसके सभी खिलाड़ी पैवेलियन लौट चुके थे. इस तरह भारत की टीम ने रिकॉर्ड छठी बार अंडर-19 का विश्व कप अपने नाम किया.

आयुष म्हात्रे से पहले मुहम्मद कैफ चंद (2012), पृथ्वी शॉ (2018) और यश कुल (2022) इस कप को भारत के लिए उठा चुके हैं. हाल के महीनों में भारत ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनेक बड़ी सफलताएं हासिल की हैं. रोहित शर्मा के नेतृत्व में टी-20 विश्व कप व चैंपियंस ट्रॉफी जीती, फिर हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व में भारत की महिला टीम ने ओडीआई विश्व कप (महिला) अपने नाम किया और अब आयुष म्हात्रे ने अंडर-19 ओडीआई विश्व कप में कामयाबी दिलाई है. फाइनल में वैभव के मात्र 80 गेंदों में 175 रन ने न सिर्फ इंग्लैंड के हौसले पस्त कर दिए बल्कि इस पारी से उन्होंने रिकॉर्डों का अंबार लगा दिया. दुबई में 12 दिसंबर 2025 को वैभव ने यूएई अंडर-19 के खिलाफ 95 गेंदों में 171 रन बनाने का भारतीय रिकॉर्ड स्थापित किया था, हरारे में उन्होंने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा. दुबई में 150 रन बनाने के लिए उन्होंने 84 गेंदें खेली थीं और हरारे में 150 रन उन्होंने 71 गेंदों में बनाए, वैभव आए. उन्होंने 15 चौके व 15 छक्के लगाए, जो कि जूनियर क्रिकेट में रिकॉर्ड है. उन्होंने पाकिस्तान के समीर मिन्हास का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 21 दिसंबर 2025 को दुबई में भारत के खिलाफ अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में 113 गेंदों पर 172 रन बनाए थे. वैभव ने 80 गेंदों में जो 175 रन बनाए हैं, वह अंडर-19 में हैं.

भारत के लिए सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत स्कोर है. इंग्लैंड के खिलाफ विशाल स्कोर बनाने में वैभव के अतिरिक्त कप्तान आयुष (53 रन) का भी अच्छा योगदान रहा कि दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 142 रनों की साझेदारी की. फिर विहान मल्होत्रा (50 रन), अभिज्ञान कुंडू (40 रन) व कनिष्क चौहान (35 रन) ने भी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए स्कोर को 400 के पार पहुंचा दिया. इंग्लैंड 311 पर सिमट गया. वैसे तारीफ आयुष की कप्तानी की भी करनी होगी कि जब इंग्लैंड साहस दिखा रहा था और ऐसा लग रहा था कि मैच में कुछ भी हो सकता लगा उनमें जन्मजात नेतृत्व के गुण हैं. मैच के बाद आयुष ने कहा, वैभव की पारी की व्याख्या करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं. हम जानते हैं कि वह कितने शानदार बैटर हैं और इस मैच में उन्होंने दिखा दिया कि वह क्या कर सकते

✍ सारिम अन्ना

रिकॉर्ड छठी बार भारत की कामयाबी

उम्मीद है कि इस समय जो भारत व श्रीलंका में संयुक्त रूप से टी-20 विश्व कप खेला जा रहा है, उसमें सूर्य कुमार यादव एंड कंपनी सफलता के इस सिलसिले को जारी रखेगी. भारत की इस कामयाबी का सेहरा निश्चितरूप से 14-वर्षीय सलामी बैटर वैभव सूर्यवंशी को जाता है, जिन्होंने अपनी पारी के दौरान राहुल द्रविड जैसा संयम, वीरेंद्र सहवाग जैसा विस्फोटक अंदाज, विराट कोहली जैसी खेल की समझ और सचिन तेंदुलकर जैसी रनों की भूख प्रदर्शित की.

मालवा- निमाड़ की डायरी

भाजपा का मिशन-28 नेमा को विशेष तवज्जो

संजय व्यास

भले ही विधान सभा चुनाव दूर हैं पर भाजपा मिशन-2028 की तैयारियों में जुट गई है. हाल की संगठनात्मक जिला प्रभारियों की नियुक्तियां इसका संकेत है. प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने मालवा- निमाड़ के हर लायक नेता, कार्यकर्ता को काम सौंप दिया है. इसमें अनुभवी और जाने-माने पार्टी नेताओं, पूर्व विधायक के साथ ही हाशिए पर चल रहे राजनीति को किनारे से देख रहे नेता तक

शामिल हैं. राजनीतिक संतुलन की दृष्टि से इंदौरी नेता व पूर्व विधायक गोपीकृष्ण नेमा को विशेष तवज्जो मिलना महत्वपूर्ण है. उन्हें ग्वालियर नगर प्रभारी तो बनाया ही गया, इसके अलावा इसी माह के प्रारंभ में उन्हें भाजपा सदस्यता अभियान के तहत आजीवन सहयोग निधि 2026 के लिए प्रदेश प्रभारी भी बनाया गया है. इसके साथ ही पार्टी ने पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता, क्षितीज भट्ट, जसवंत सिंह हाड़ा, बबीता परमार, सुभाष कोठारी, राजेंद्र पांडे जैसे प्रमुख नेताओं को भी जिला स्तर पर संगठन की लीडरशिप सौंपकर उन्हें एक्टिव भूमिकाओं में लाने की पहल कर दी है. चुनावी रणनीति के अंतर्गत ही आदिवासी बहुल्य क्षेत्र में संगठन की मजबूती के लिए अलग से निमाड़ संभाग घोषित किया गया है. इन नियुक्तियों में शाजापुर से क्षितीज भट्ट का नाम आना भी विशेष उल्लेखनीय है, वे ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ भाजपा में आए थे. भाजपा ने उन पर पूरा भरोसा जताया है.

सुर्खियों में छोटा सा गांव

रतलाम जिले की ग्राम पंचायत सेमलिया के युवा सरपंच के नवाचार ने गांव का नाम सुर्खियों में ला दिया है. उनके हाईटेक कदम से लगातार हो रही चोरियों, आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश तो लगा ही, विद्यार्थियों को नि:शुल्क नेट सुविधा की भी व्यवस्था है. एक समय था जब ये गांव आए दिन होने वाली चोरियों की वजह से जाना जाता था, लेकिन यहां के युवा सरपंच विशाल चौहान ने फिर कुछ ऐसा कदम उठाया कि गांव हाईटेक हो गया और यहां घुसने से चोर भी डरने लगे. आज पूरा गांव सीसीटीवी कैमरों से लैस है. स्थिति कुछ ऐसी है कि एक कमरे से बैठकर गांव के सरपंच और जिम्मेदार लोग हर संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखते हैं. सरपंच विशाल चौहान ने ग्राम पंचायत सेमलिया के नवीन भवन में हाईटेक सुविधा उपलब्ध करवाई है. गांव के होनहार बच्चों को पढ़ाई के लिए यदि इंटरनेट या वाईफाई की आवश्यकता है, तो वे पंचायत भवन में आकर या आसपास रहकर भी निशुल्क वाईफाई सुविधा का लाभ ले सकते हैं.

नई मुसीबत में विजय शाह

कैबिनेट मंत्री विजय शाह एक तरफ भारतीय सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर दिए गए विवादित बयान के मामले में उलझे हुए है और अब तक चार बार माफी मांग चुके हैं. उन पर प्रकरण कायमी के साथ मंत्री पद पर भी तलवार लटकी हुई है. दूसरी ओर उन्हें लोगों की बेरुखी का सामना करना पड़ रहा है. विगत दिनों केंद्रीय बजट के लोकहितार्थ प्रचार- प्रसार के भाजपा नेतृत्व के निर्देशानुसार विजय शाह ने पत्रकार वार्ता का आयोजन किया था. बजट जैसे महत्वपूर्ण विषय पर आयोजित इस पत्रकार वार्ता में संगठन के कई प्रमुख चेहरों की गैरमौजूदगी ने उन्हें निराश कर दिया. इसमें पार्टी के कई जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति नदारद रही. मंचासीन अतिथियों में मंत्री विजय शाह के साथ केवल भाजपा जिलाध्यक्ष राजपाल सिंह तोमर, महामंत्री धर्मेंद्र बजाज, संतोष सोनी, तपन डोंगरे, पूर्व महापौर सुभाष कोठारी और सुधांशु जैन सहित कुछेक नेता ही शामिल रहे. क्षेत्र में अब शाह से प्रमुख नेताओं की दूरी बनाया जाने चर्चा का विषय बनी हुई है.

कौन बनाएगा 5वीं पीढ़ी का फाइटर जेट

ऐसी संभावना है कि भारत के निजी क्षेत्र को 5 वीं पीढ़ी के फाइटर जेट निर्माण की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है. देश को अपनी वायुसेना और नौसेना के लिए एडवांस्ड मीडियम काम्बैट एयरक्रैफ्ट (एएमसीए) की आवश्यकता है जो स्टील्थ हो और रडार पर नजर न आए. बेंगलुरु स्थित हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड के पास आज भी सैकड़ों विमान बनाने और मेंटेनेंस के ऑर्डर हैं लेकिन उसके बारे में कहा जाता है कि वह निर्णय लेने में विलंब लगाता है तथा किसी प्रकार की जोखिम नहीं उठाता. प्राइवेट सेक्टर में ऐसा नहीं है. तेजस विमान बनाकर देने में कई वर्षों के विलंब की वजह से सेना उससे अप्रसन्न रही है. अभी तक एचएएल को एएमसीए बनाने के संबंध में कोई सूचना नहीं दी गई है. निजी क्षेत्र की कंपनियां नवोन्मेष को बढ़ावा देती हैं और किसी प्रोजेक्ट पर काम करने के लिए सर्वश्रेष्ठ लोगों को ला सकती हैं. निजी कंपनी चाहे तो एचएएल व एरोनॉटिकल डेवलपमेंट कंपनी के रिटायर्ड लोगों तथा एरोस्पेस इकोसिस्टम से जुड़े अन्य विशेषज्ञों को ला सकती है जो भारतीय ही नहीं विदेशी भी हो सकते हैं.

निजी कंपनी के साथ सरकारी वेतनमान तथा भर्ती

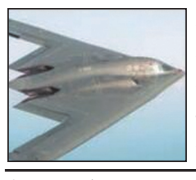

जो भी कंपनी एएमसीए बनाएगी उसके सामने विमान की डिजाइन, सिस्टम इंटीग्रेशन व सेंसर सहित सॉफ्टवेयर बनाने की जिम्मेदारी होगी.

के नियम जैसी बंदिशें भी नहीं हैं. वह ज्यादा पैसा देकर किसी को भी ला सकती है. यदि सस्ते में ठेका दिया जाता है तो काम पूरा होने में संदेह बना रहता है. जहां तक निजी कंपनियों की विश्वसनीयता का प्रश्न है, टाटा एडवांस्ड सिस्टम, एलएंडटी व भारत फोर्ज जैसी कंपनियों के पास इस तरह की विशेषज्ञता मौजूद है. ऐसी निजी कंपनियां एयरबस और बोइंग के लिए ग्लोबल सप्लाई चेन का काम कर रही हैं. उनके पास तोपखाने के लिए उच्च क्षमता की तकनीक है. कुछ तो इसरो के साथ भी काम कर रही हैं.

पांचवीं पीढ़ी का फाइटर जेट बनाना अलग किस्म का चुनौतीभरा काम है. यह बात अलग है कि निजी क्षेत्र की कंपनियां वैश्विक बाजार में विमानों के पुर्जे ही नहीं, संपूर्ण सेक्शन बनाकर सप्लाई कर रही हैं.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

कहां चली गई मस्क की मुस्कान सबसे धनवान, फिर भी परेशान

पड़ोसी ने हमसे कहा, चनिशानेबाज, एलन मस्क इस बात से खुश और संतुष्ट नहीं हैं कि वह विश्व के सबसे धनी व्यक्ति हैं. उनके पास इतनी दौलत है किवह मंगल ग्रह पर मानव बस्ती बसाने का सपना साकार कर सकते हैं. टेस्ला कार के निर्माता मस्क अपने रॉकेट से किसी को भी अंतरिक्ष की सैर करवा सकते हैं. ट्रंप को दूसरी टर्म में राष्ट्रपति निर्वाचित करने के लिए मस्क ने बेशुमार दौलत खर्च की थी. हर नेता की सफलता के पीछे किसी धनवान मित्र का हाथ होता है. किसी के साथ मस्क है तो किसी के साथ अदाणी-अंबानी !

हमने कहा, कुछ लोगों को यह बात काफी अजीब लगेगी कि 668 अरब डालर की नेटवर्थ रहने के बाद भी ट्रंप खुद को खुशहाल महसूस नहीं करते. गत वर्ष टेस्ला के शेयर होल्डर्स ने अपने चीफ एग्जीक्यूटिव एलन मस्क के लिए 1 खरब या वन ट्रिलियन डॉलर का कामकाज पर आधारित कम्पेनसेशन पैकेज मंजूर किया. समझ लीजिए कि अमेरिका मस्क का मुकद्दर कितना जबरदस्त है. ऊपरवाले ने हाथी के पैर से उनकी किस्मत लिखी है. मस्क की विभिन्न शादियों और प्रेमिकाओं से एक दर्जन से भी ज्यादा औलादें हैं जिनके नाम याद रख पाना भी मुश्किल है. जब अमेरिका में प्रधानमंत्री

मोदी मस्क से मिलने पहुंचे तो वह बैठक में अपने बच्चों के साथ खेलते और बातें करते नजर आए. मस्क का ध्यान मोदी से मीटिंग की बजाय अपनी संतानों की ओर था. मोदी चाहते थे कि मस्क भारत में अपनी ई-कार टेस्ला की फैक्ट्री खोलें.

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज मुख्य बात यह है कि सुपर रिच होने पर भी मस्क खुश क्यों नहीं हैं ? उन्हें कभी किसी चीज का अभाव नहीं रहा. उनकी बड़ी से बड़ी इच्छा या महत्वाकांक्षा पूरी हुई और अब भी हो रही है. अर्थ और काम तो उन्होंने अर्जित कर लिए, सिर्फ धर्म और मोक्ष बाकी रह गया. हमने कहा, च्लालसा कभी तृप्त नहीं होती. धनी व्यक्ति की जिंदगी और अधिक धन संग्रह या व्यवसाय बढ़ाने में बीत जाती है. धर्म की वृद्धि करनी चाहिए, धन की नहीं. धन को दान आदि सत्कर्मों में व्यय करना चाहिए. धर्म बढ़ेगा तो धन अपने आप आने लगेगा. किसी व्यक्ति के भोजन, वस्त्र, सुखोपभोग के बाद जो शेष संपत्ति बचती है, उसकी वह केवल रखवाली करता है. चोरों के भय से मकान की ऊंची चारदीवारी बनानी पड़ती है. एक व्यक्ति धन जमा करता है और उसके वंशज उसे उड़ा डालते हैं. शायद इन बातों को समझकर मस्क अनहैपी हो उठे हैं.

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12167 - डॉ. सागर खादीवाला

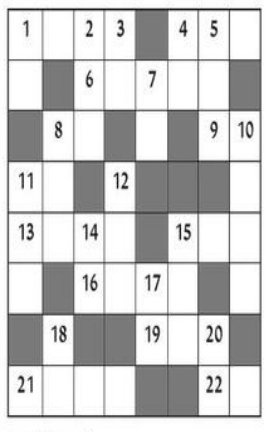

ऊपर से नीचे

1. वह शब्द या वाक्य जो किसी अनिष्ट की कामना से कहा जाए 2. खरीददार, ग्रहण करने वाला 3. वह स्थान जहां किसी महंत के अधीन अन्य साधु रह सकें 4. लहर, तरंग (सं.) 5. कष्ट पहुंचाना, तंग करना 7. मजहब, पंथ 8. वह बड़ा मंडप जो किसी सभा के अधिवेशन के लिए बनाया या लगाया जाता है 10. रावण 11. मंजिल, लक्ष्य-मार्ग (सं.) 12. कांटेदार 14. अधिकार (उर्दू) 15. गुफा 17. मथुरा के राजा उग्रसेन का पुत्र 18. जो बंधा न हो, जो ढंका न हो, जाहिर, उन्मुक्त (उर्दू) 20. यमुना नदी (सं.)

बाएं से दाएं

1. पत्थर की गोल बटियां जो विष्णु की मूर्ति मान कर पूजी जाती हैं 4. बंजर भूमि जिसमें रेह अधिक होता है 6. अनुचित बात पर अड़े रहने का भाव 8. कीच, कीचड़ 9. शब्द, संगीत 11. भूत-प्रेत की बाधा दूर करने के लिए किसी धागे में मंत्र पढ़कर गांठ लगाने का कार्य 13. पहाड़ के नीचे की भूमि 15. कलाई में पहनने का एक आभूषण 16. एक प्रकार की खोये की मिठाई 19. यात्रियों के ठहरने का स्थान, मुसाफिरखाना (उर्दू) 21. अंडमान-निकोबार द्वीप को इस नाम के संदर्भ में भी जाना जाता है 22. मधुर, स्वादिष्ट, मिठाई

Solution 12166

डा	का	ज	नी		पी	ट	ना
कि	ला		ति	र	छा	प	न
या		नि	शा	न		क	
	स	ह	ख		स	ना	मा
	म	त्या		मा	प		त्र
ला	र		कु	मा	रि	का	
भ	भू	त			वा	न	र
	मि	ल	न	सा	र		ल

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में शिक्षा प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी, आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें, वर्ष के मध्य में सामाजिक कार्यों में सफलता मिलेगी, पद का लाभ प्राप्त होगा, व्यवसायिक मामलों में स्थिति सामान्य रहेगी, धार्मिक कार्यों के संलग्नता रहेगी, वर्ष के अन्त में शत्रु वर्ग से कष्ट होगा, मित्र के कारण कार्य में व्यवधान आ सकता है, व्यर्थ के वाद विवाद से दूर रहें.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को पद का लाभ प्राप्त होगा, सामाजिक कार्यों में सफलता मिलेगी, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को शत्रु वर्ग से कष्ट होगा, चिन्ता रहेगी, कर्क्र राशि के व्यक्तियों को स्थिति में सुधार होगा, शिक्षा में सफलता मिलेगी, सिंह राशि के व्यक्तियों को कार्यक्षेत्र में रूचि रहेगी, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को सहयोग मिलेगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियो को कार्यो में व्यवधान आ सकता है, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को शालीनता रहेगी.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक शांत, स्वाभिमानी, अपने कार्य के प्रति सजग रहने वाला होगा. लोकप्रिय होगा. बालक जब क्रोधित होग, तब जल्दी शांत नहीं होगा. अपने मनमर्जी का मालिक होगा. अन्याय को कभी सहन नहीं करेगा. विद्या के क्षेत्र में अग्रणी होगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

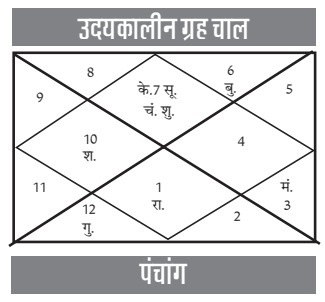

पंचांग

रा.मि. 21 संवत् 2082 फाल्गुन कृष्ण अष्टमीं भौमवासरे प्रातः 7/15, विशाखा नक्षत्रे प्रातः 7/59, ध्रुव योगे रात 1/48, कौलव करणे सू.उ. 6/28, सू.अ. 5/32, चन्द्रचार वृश्चिक, शु.रा. 8,10,11,2,3,6 अ.रा. 9,12,1,4,5,7 शुभांक-0,3,7.

व्यापार भविष्य

फाल्गुन कृष्ण अष्टमीं को विशाखा नक्षत्र के प्रभाव से गुड़, खांड, शक्कर व मिठाईयों में तेजी का रूख रहेगा. गेहूं, जौ, चना, अनाजों में नरमीं रहेगी. वायदा विचार आज पिछले दिन के बने भाव में ऊँचें उठेंगे, उसी में तेजी होगी. भाग्यांक 3633 है.

मेष- मानसिक प्रसन्नता में वृद्धि होगी. स्त्री का सुख सहयोग मिलेगा. रोजगार संबंधी शुभ समाचार मिलेगा. अच्छा अवसर प्राप्त होगा. वाहन चलाते समय सावधानी रखें.

वृषभ- कार्यों में उतार चढ़ाव आ सकता है. लेकिन अंत में स्थिति अनुकूल बन जायेगी. आकस्मिक धन मिलेगा. नवीन योजनाओं का शुभारम्भ होगा.

मिथुन- मित्रों के सहयो से कार्यों में अच्छी सफ्लता मिलेगी. अनावश्यक कार्यों को टॉ. खर्च की अधिकता रहेगी. संतान की चिंता रह सकती है. संयम रखें.

कर्क- व्यापार में प्रगति होगी. धार्मिक कार्यो में रूचि बनी रहेगी. धार्मिक यात्रा सम्भव है. समय पर कार्य पूरा होगा. कुछ मन:स्थिति खिन्न रह सकती है. व्यस्तता रहेगी.

सिंह- टालमटोल के चलते कामकाज में परेशानी हो सकती है. शत्रुओं से सावधान रहें. आर्थिक कार्यों का समाधान होगा. सुखद एवं मनोरंजन कार्यों में व्ययभार बढ़ेगा.

कन्या- संतान का सुख, सहयोग रहेगा. आर्थिक स्थिति में सुधार होगा. आत्मविश्वास एवं मनोब बना रहेगा. दूर-दराज की यात्रा होगी. मान प्रतिष्ठा बढ़ेगी.

तुला- नौकरी में मनचाहा स्थान मिल सकता है. भौतिक सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी. नया कार्य बनने का योग है. रूका हुआ कार्य बनेगा.

वृश्चिक- निर्माण के कार्यों में प्रगति होगी. प्रियजनों से मुलाकात होगी. किसी प्रतियोगी परीक्षा में सफ्लता मिलेगी. रोगी की चिन्ता रहेगी. प्रवास का योग है.

धनु- जीवनसाथी का सुख सहयोग रहेगा. मित्रों के सहयोग से लाभ में वृद्धि होगी. किसी विशेष व्यक्ति के आगमन से प्रसन्नता रहेगी. सम्मान प्राप्त होगा.

मकर- धार्मिक कार्यों में रूचि बढ़ेगी. झगडों से परेशान होकर काम छोडने का मन बन सकताहै. मानसिक सुख एवं संतोष रहेगा. पदोन्नति का योग है.

कुंभ- आय कम एवं व्यय अधिक होगा. किसी बात को लेकर मन खिन्न हो सकता है. सोचे हुये कार्य बनेंगे. कामकाज में महिला की सलाह उपयोगी रहेगी.

मीन- मान सम्मान की प्राप्ति होगी. राजनैतिक कार्यों में रूचि बढ़ेगी. खर्च अधिक होगा. धार्मिक कार्यों की रूपरेखा बनेगी. मानसिक सुख, सौहार्द्र बना रहेगा.

SUDOKU 7299

2	9		3	1			8	
3	6		2		7		9	
		7			6		2	1
	7		1					
1	3			4			7	2
					5		4	
6	2		4			9		
	5		6		9		1	8
	1			5	3		6	4

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7298

3	9	7	5	1	4	6	8	2
1	2	8	6	9	3	4	5	7
6	4	5	2	8	7	1	3	9
5	7	3	4	6	9	2	1	8
2	1	9	7	5	8	3	4	6
4	8	6	3	2	1	7	9	5
9	3	2	8	4	6	5	7	1
7	6	1	9	3	5	8	2	4
8	5	4	1	7	2	9	6	3